Railway Claims Tribunal, Patna Bench (parent bench of this case), through virtual mode hearing.

Coram: Shri Virendra Kumar Goyal, Hon'ble Member (Judicial)
Shri Pravinchandra N. Parmar, Hon'ble Member (Technical)

CASE No. **OA(IIu)/PNBE/320/2023** Date of Filling : 20.09.2019
Date of Decision: 27.08.2025

1. Lalan Prasad Chaurasiya, Aged about 58 yrs.
(Father of the deceased)
2. Savita Devi, Aged about 49 yrs.
(Mother of the deceased)

Both r/of: Vill. - Ramdatahi, P.S.- Sahpur,
Dist.- Bhojpur, Bihar-802165. ..... Applicants

-Versus-

Union of India Through General Manager, ... Respondent
East Central Railway, Hajipur.

Appearance:
Mr. Bashisth Prasad Sinha, Ld. counsel for the Applicants, through virtual mode.
Mr. Radhika Raman, Ld. Counsel for the Respondent, through virtual mode.

Claim For ₹ 8,00,000/- + interest

Judgement

This claim application has been filed by the parents of the deceased under Section 16 of RCT Act, 1987, seeking compensation of ₹ 8,00,000/- together with interest on account of death of their unmarried son Dipak Kumar Chaurasiya, aged about 20 years (hereinafter referred to as 'deceased') in an alleged untoward incident, on the ground of dependency upon the deceased.

2. Initially, this OA was filed before RCT/Patna bench thereafter Hon'ble Chairman, Principal Bench-Delhi vide order dated 23.07.2025, this case referred to RCT/Ahmedabad for expeditious adjudication and to dispose within time stipulated

by this Tribunal. Thereafter the ld. counsel for both the parties appeared through virtual mode to argue their case.

3. Briefly stated the facts of the case in claim application are that, the deceased purchased a 2nd class superfast ticket from Rajgir to New Delhi bearing No. URC-30922859 and boarded train No. 12391 Up Shramjivi express on 10.10.2018. There was rush in the train and when the train was halted at Patna Jn., the deceased alighted from the train to purchase eatables and to drink water, thereafter he re-boarded the train. During the course of journey, he accidentally fell down from the train at km.no. 607/05-07 located between Kauriya and Sarvoday Halt due to heavy rush and intense jostling amongst the passengers near the gate. Due to said fall, he sustained serious injuries resulting in death on the spot. Police investigated the matter and found that it was an untoward incident. It is also averred that the ticket was recovered during Inquest proceedings. In these consequences, the Applicants have sought compensation from the Respondent Railway.

4. In the Written Statement, the Respondent Railway contested; that purchasing of ticket by the deceased must be proved through witness and original ticket must be produced before the court; that according to the Loco pilot of 12391 train, the deceased suddenly came in front of the train and got run over. Hence, the incident is covered under the proviso (a) and (b) to Section 124-A of the Railways Act, 1989 and the claim deserved to be dismissed.

5. Based upon the pleadings of the parties and material made available on record, following issues were framed.

ISSUES:

1. क्या मृतक प्रश्नगत रेलगाड़ी का सदभावी यात्री था?

2. क्या मृतक की मृत्यु से सम्बन्धित घटना रेल अधिनियम 1989 की धारा 123 (c)(2) सपठित धारा 124-ए अंतर्गत परिभाषित अनपेक्षित घटना की परिधि में आती है?

3. मृतक के आश्रित कौन-कौन है?

4. याचीगण किस उपशम को प्राप्त करने के अधिकारी हैं?

examination-in-chief on affidavit as AW/1 on the lines of facts stated in the OA. She was cross-examined by the counsel for the Respondent, as under:

".....प्रश्न: क्या आपको पता है कि आपका पुत्र किसे ट्रेन से यात्रा कर रहा था?
उत्तर: जनसाधारण ट्रेन से यात्रा कर रहा था.
.... प्रश्न: क्या आपको इस बात की जानकरी थी कि उसने टिकट कटाया था अथवा नहीं?
उत्तर: जी हाँ. उसने ट्रेन पर चढ़ने के बाद मुझे फ़ोन करके बताया था कि वह जनसाधारण एक्सप्रेस में टिकट कटाकर चढ़ गया है. उसने यह भी बताया था कि ट्रेन में बहुत भीड़ थी.
..... प्रश्न: आप यहां पर झूठी गवाही देने आये हैं ताकि आपको रेलवे से गलत मुआवजा प्राप्त हो जाय. आपका पुत्र कोई यात्रा नहीं कर रहा था तथा उसके पास कोई यात्रा टिकट नहीं था. वह अवैध रूप से ट्रैक पार करने के क्रम में किसी ट्रेन के चपेट में आकर मर गया था. आपका क्या कहना है?
उत्तर: जी नहीं यह सच नहीं है."

7. **Respondent Evidence:** The Respondent Railway administration adduced documentary evidence as the DRM report and also adduced oral evidence of Ram Murti Yadav, contemporary Loco Pilot of train No. 12391, now retired from Railway service, as RW/1 and Nand Kumar Singh, Sr. Goods Guard, as RW/2. The counsel for the Applicants cross examined the deponents at length.

8. **Documents filed by the Parties:**

a. The Applicants filed certified copy of: Railway ticket, Station Memo, Inquest Panchnama, Written report of Lalan Prasad Chaurasiya, F.I.R., P.M. report, GRP's Final report, Death certificate of the deceased, Aadhar cards of the Applicants and Family member certificate.

b. The Respondent filed the Statutory DRM report along with the Investigation report and documents thereto. The Respondent exhibited the statement of RW/2 as RW/2/1.

FINDINGS

9. We have carefully gone through the pleadings of the parties, material made available on record, evidence adduced by them and heard the arguments advanced by their counsel on behalf of rival parties. Our findings on the aforesaid issues are as under:

10. Since this issue was argued at length during the course of arguments and appears to be an important one to decide the fate of the case, the same is being dealt with and decided first.

11. At the outset, we would like to reproduce the statements recorded during examination of RW/1 and RW/2 as under:

RW/1: *"श्री राधिका रमण, प्रतिवादी अधिवक्ता द्वारा मुख्य परीक्षण -*

साक्षी ने सशपथ बयान किया कि:..... जब आप गाड़ी लेकर चल रहे थे तो आपने क्या देखा- 10:40 में जब मेरी गाड़ी पटना से खुली तो कारीसाथ और बिहिया स्टेशन के बीच में कि. मी. 607/7 पर एकाएक एक अज्ञात व्यक्ति हमारे गाड़ी के आगे आ गया और रन ओवर हो गया।

प्रश्न: जब आपने उस आदमी को देखा तो आपने क्या किया?

उत्तर: हॉर्न मैने भी बजाया और सहायक ने बजाया और ब्रेक लगाया। उसी दौरान में उसको क्रॉस करते हुए गाड़ी आगे बढ़ गयी। मेरा इंजन का पाइप खुल गया तथा इंजन का बी पी प्रेसर जीरो हो गया। इस कारण मेरी गाड़ी 11:53 में कि.मी 607/11 पर गाड़ी खड़ी हो गयी। मैं सहायक चालक को इंजन चेक करने के लिए भेजा तो इंजन से दूसरा बोगी का बी पी पाइप खुला हुआ था उसको सहायक ने जोड़कर के बनाया फिर वापस आया। इसके बाद मैंने गाड़ी के गार्ड को बॉकी टॉकी से घटना के बारे में बताया और बिहिया स्टेशन मास्टर को भी बॉकी टॉकी से बताया। 12 बजे मैं गार्ड से ऑल राइट सिग्नल एक्सचेंज करके गाड़ी को खुला दिया।

प्रश्न: यह बात गार्ड और स्टेशन मास्टर के अलावा किसी को बताया?

उत्तर: जी नही।

प्रश्न: इस तरह की कोई भी दुर्घटना होती है तो आप गार्ड को सूचना देते है?

उत्तर: जी हॉ, चूंकि जे डी आर गार्ड ही बनाते है।

प्रश्न : उस समय कौन से गार्ड थे ?

उत्तर: नंद कुमार सिंह थे।

.....

गवाह को पत्रावली पर डी आर एम रिपोर्ट के साथ संलग्न नंद कुमार सिंह गार्ड का बयान दिखाया गया तो उसने कहा कि जो बात मैंने आज अपनी साक्ष्य में उपर बतायी है वही बात नंद किशोर गार्ड ने आर पी एफ जांच अधिकारी को लिखकर दिये है।

आर पी एफ के जांच अधिकारी ने मेरा बयान नहीं लिया था यदि वे मुझसे घटना के संबंध में बयान लेते तो मैं वही बात बताता जो आज मैं न्यायालय के समक्ष बतायी है।

...के नोटिस के आधार पर आज गवाही देने आया हूं। घटना की तिथि 10.10.2018 और समय 11:53 बजे गाड़ी खड़ी हो गयी थी, गाड़ी खड़े हो जाने के करीब 10 सेकेन्ड पूर्व उक्त घटना घटित हुई होगी। मृतक का रंग और कपड़े का रंग कौन सा था यह मैं नहीं बता सकता।

प्रश्न: क्या मृतक का बॉडी गाड़ी से टकराकर अलग छिटकर बाहर गिरा था?

उत्तर: वह गाड़ी के सामने दौड़ता हुआ आया और ट्रैक के बीच में आ गया जिससे उपर होकर गाड़ी गुजर गयी वह ट्रैक के बाहर छिटक कर नहीं गिरा था।

प्रश्न: वह किस ओर से दौड़ता हुआ आया?

उत्तर: यह मैं नहीं देख पाया।

प्रश्न: क्या आपने घटना के पहले हॉर्न बजाया था?

उत्तर: मैंने मृतक को 10 मीटर की दूरी से एकाएक दोड़कर ट्रैक के सामने आते हुए देखा था। जैसे ही हमने उसे देखा तब मैंने गाड़ी का हॉर्न बजाया था।

प्रश्न: क्या घटना के बाद गाड़ी रोकी थी?

उत्तर: जब वह व्यक्ति इंजन से टकराया तब गाड़ी ब्रेकिंग की थी परन्तु इंजन का प्रेसर जीरो हो गया था तथा गाड़ी स्वतः रुक गयी थी, क्योंकि इंजन का बी पी पाइप पृथक हो गया था।

प्रश्न: क्या घटना की लिखित सूचना आपने स्टेशन को दिया?

उत्तर: मैंने वॉकी टॉकी से सूचना दी थी, लिखित सूचना नहीं दी थी।

प्रश्न: क्या आपका घटना से पूर्व एल्कोहल टेस्ट किया गया था?

उत्तर: जब हम ऑन ड्यूटी जाते हैं उसी समय हमारा एल्कोहल जॉच किया जाता है, उस दिन भी मेरा एल्कोहल टेस्ट हुआ था। मैं कभी भी एल्कोहल का इस्तेमाल नहीं करता हूं।

प्रश्न: गाड़ी में कितने बोगी था?

उत्तर: 22 बोगी।

प्रश्न: आप घटना के समय उक्त गाड़ी के लोको पायलट थे इसका क्या प्रमाण है?

उत्तर: मेरी ड्यूटी लोको पायलट के रूप में ए टी एफ आर ऑन ड्यूटी राजगीर ने लगायी थी।

प्रश्न: क्या आपके घटना से पूर्व ऑख विशेषज्ञ से जॉच करायी थी?

उत्तर: हमारी ऑख की जॉच हर वर्ष होती है।

प्रश्न : क्या आपने स्वास्थ्य संबंधी कोई जॉच रिपोर्ट पत्रावली पर लगायी है?

उत्तर: जी नही।

यह कहना गलत है कि मैं शराब पीकर गाड़ी चला रहा था। यह कहना भी गलत है कि मैं आर पी एफ के कहने पर गलत गवाही देने आया हूं।

RW/2: XX श्री वशिष्ट प्रसाद, आवेदक के अधिवक्ता द्वारा प्रति परीक्षण XX

नहीं है, जो भी बाकी टीकी सेट मिलते है हम उनका उपयोग करते है। घटना के बाद गाड़ी खड़ी हुई थी। घटना के बाद मैं घटनास्थल पर नहीं गया था। घटना के बाद गाड़ी खराब हुई थी, क्योंकि उसका ब्रेक पाइप टूट गया था, बॉडी उससे टकराई थी। गाड़ी टकराने के बाद ही खराब हुई थी। गाड़ी को बाद में ब्रेक पाइप सहायक लोकोपायलट द्वारा जोड़कर सही किया गया था।

.....

प्रश्न- घटना के समय किसको लिखित सूचना दिये?

उत्तर-डिटेन्सन मेमो के माध्यम से मैनें दानापुर कन्ट्रोल को सूचना दिया था तथा वॉकी टॉकी के माध्यम से डिप्टी एसएस बिहिया को भी सूचना दिया था।

.....

प्रश्न- आप घटना से संबंधित कोई लिखित कागजात दिये थे?

उत्तर-घटना से संबंधित आरपीएफ द्वारा मेमो मांगा गया था। इसके अलावा अन्य कोई लिखित कागजात मैंने नहीं दिया था।

प्रश्न-क्या आपने घटना के दिन अपना एल्कोहल जॉच करायी थी?

उत्तर-जी हॉं कराया था।

प्रश्न- क्या आपने अपना स्वास्थ्य संबंधी कागजात न्यायालय में प्रस्तुत किये है?

उत्तर-जी, नहीं।

प्रश्न- क्या घटना के समय आपने अपने ऑखों की जॉच करायी थी?

उत्तर-जी, नहीं।

प्रश्न- क्या आपकी लापरवाही से दीपक चौरसिया की मृत्यु हुई है?

उत्तर-जी, नहीं।

प्रश्न- क्या आप अपने रेलवे विभाग अथवा आरपीएफ के कहने पर गलत गवाही देने आये हैं?

उत्तर-जी, नहीं। "

12. Based on the foregoing, ld. counsel for the Respondent vehemently argued that as per investigation report, the deceased committed suicide, moreover the factum of the case indicates that the incident occurred due to the deceased's own criminal act and injuries sustained were self-inflicted. The Respondent further argued that the incident as mentioned by the Loco Pilot - RW/1 and the Guard-RW/2, is supported with documentary evidence i.e. Form-1, Form-2, Station Diary of Karisath and Roznamcha of RPF-ARA. Consequently, it has been argued that the incident cannot be termed as fallen down and it is covered under the proviso clauses

payable to the Applicants. Therefore, the present case cannot be classified as an *"untoward incident"* as defined u/s 123 (c) (2) of the Railways Act, 1989 and the application is liable to be dismissed.

13. During the cross-examination of RW/2, the counsel for the Applicants put forth a suggestion as to whether the deceased had died due to the negligence of the Railways. Thus, such a suggestion, made in the course of cross-examination, can be construed as an admission by the Applicants regarding the cause of death being a collision with the train. Furthermore, AW/1 made contradictory statements in relation to the OA and her affidavit. While both the OA and the affidavit assert that the deceased was travelling in Train No. 12391- Shramjeevi Express, during cross-examination she referred to Jansadharan Express. This inconsistency raises serious doubt regarding the reliability of her testimony and undermines the factual foundation of the Applicants' claim.

14. On the other hand, there is no reason to disbelieve the testimony of RW/1 and RW/2, as they are supported by the documentary evidence. A person cannot ordinarily come into collision with the engine of the very train in which he is travelling. Therefore, the Respondent's case regarding run over by Train No. 12391 stands substantiated, as the contentions of RW/1 and RW/2 are duly corroborated by the documents referred to in para-12, all of which were prepared in the normal course of Railway operations. These documents hold evidentiary value under Section 191 of the Railways Act, 1989, which explicitly provides that:

> *"Entries made in the records or other documents of a railway administration shall be admitted in evidence in all proceedings by or against the railway administration, and all such entries may be proved either by the production of the records or other documents of the railway administration containing such entries or by the production of a copy of the entries certified by the officer having custody of the records or other documents under his signature and stating that it is true copy of the original entries and that such original entries are contained in the records or other documents of the railway administration in his possession."*

Respondent and also failed to prove on record that the deceased was actually travelling by 12391- Shramjivi express. As well as, after receiving a copy of the DRM report, the Applicants filed an affidavit of AW/1 in which the Applicants silent upon said documents and contention of the Respondent regarding run over by train No. 12391. The Applicants neither raised any objection in his affidavit about such documents nor cross-examined the loco pilot in a manner that would turn the case in favour of the Applicants. Hence, it can be said that in the OA, the Applicants has concealed such facts.

16. We are of the considered view that the Respondent Railway administration by way of un-rebutted and unchallenged evidence both oral and documentary has succeeded in discharging the burden of proof which was prima facie shifted upon them in the light of judgment of Hon'ble Supreme Court in Union of India v. Rina Devi, by proving that the deceased died as a result of run over by train no. 12391 and not as a result of an untoward incident as alleged in the claim application. On the basis of law and facts indicated by the ld. counsel for the parties, we feel that in the present case the victim should be blamed for the incident and, therefore, this case is not covered by the definition of the untoward incident as defined u/s 123 (c)(2) of the Railways Act, 1989. Accordingly, we hold this issue is decided in negative and against the Applicants.

Issue No. 1:

17. So far as, question upon bonafide passenger status of the deceased, the circumstances clearly indicate that the deceased committed suicide, thereby negating any question regarding the deceased's travel in a train and his bonafide passenger status. Consequently, this issue is also decided against the Applicants.

Issue No. 3:

18. There is no dispute that the Applicants are the parents of the unmarried deceased and would come within the definition of the dependant as per sec. 123 (b) of the Railways Act, 1989. Hence, the issue is answered accordingly.

19. In view of our findings on main issue no. 1 & 2 which have been decided against the Applicants, it is held that the Applicants are not entitled to any relief or compensation as prayed for. Accordingly, we pass the following order:

ORDER

20. In view of the negative findings on issue no. 1 & 2 the claim application stands dismissed on merits. No order as to costs.

21. The Registry is directed to send a free certified copy of this judgment to the Respondent and to the Applicants at their postal address mentioned in the claim application by Registered A.D. in view of Rule 34 (3) of the Railway Claims Tribunal (Procedure) Rules, 1989.

22. In terms of the above, the present claim application is disposed of. ADR/RCT-Ahmedabad is directed to send the original file along with the judgment in sealed cover to RCT-Patna Bench.

[Pravinchandra N. Parmar]
Member (Technical)/RCT-Ahmedabad

[Virendra Kumar Goyal]
Member (Judicial)/RCT-Ahmedabad

Judgment is pronounced through virtual mode and signed today.

Place : Ahmedabad
Date : 27.08.2025.

[Pravinchandra N. Parmar]
Member (Technical)/RCT-Ahmedabad

[Virendra Kumar Goyal]
Member (Judicial)/RCT-Ahmedabad